प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

अच्छी बातों को जीवन में उतारें: आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 12 जुलाई, 2010

जिस तरह फूलों की माला नेता, राजनेता आदि के स्वागत में काम आती है और वह फूलों की माला अच्छी, शोभायमान भी लगती है इसी तरह व्यक्ति को भी अपने जीवन में गुणों की माला बनानी चाहिए।'

उक्त विचार आचार्यश्री महाश्रमण ने श्रीसमवसरण में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए अपने दैनिक प्रवचन में व्यक्त किये।

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि जो अच्छी बातें हैं उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। एक दूसरे की निंदा नहीं करनी चाहिए। जो दूसरे व्यक्ति में सद्गुण है उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। अपने जीवन में विशेषताओं को बढाने का प्रयास होना चाहिए।

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि मनुष्य में अनुकंपा की भावना भी जागे दूसरे के कष्टों को दूर करने का प्रयास करें और वे स्वयं अपनी ओर से दूसरों को कष्ट न दे ऐसा प्रयास रहे। उन्होंने यह भी कहा कि अपने नाम, ख्याति, प्रशंसा पाने की लालसा नहीं होनी चाहिए। नैतिकता, न्याय का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए, नीति निपुण लक्ष्य का निर्धारण करना चाहिए।

इससे पूर्व साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब चातुर्मास का समय आता है तो साधु-संतों की यात्रा स्थगित हो जाती है और जो पदयात्रा में समय लगता है वह समय बच जाता है और उस शेष समय का सम्यक् उपयोग का अभ्यास होना चाहिए। चातुर्मास काल के समय का उपयोग ध्यान, साधना, स्वाध्याय में उपयोग करने की ओर इंगित किया। समय को व्यर्थ न गंवाए ऐसा प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दूगड़ विशेष रूप से उपस्थित थे, कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक की तीन दिवसीय संगोष्ठी संपन्न

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद द्वारा आयोजित अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रभारी प्रशिक्षकों की संगोष्ठी आज संपन्न हुई। राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद द्वारा देशभर से आए चालीस प्रशिक्षकों ने आचार्यश्री महाश्रमण से पावन पाथेय प्राप्त किया।

10 जुलाई से 12 जुलाई तक चली इस संगोष्ठी में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुत विभा प्रशिक्षकों के काम की जानकारी प्राप्त कर अच्छा कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की।

अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल ने तीनों दिन प्रशिक्षाणार्थियों को नई चेतना उत्साह एवं प्रवाह कुशलता के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

अणुव्रत शिक्षक संसद के अध्यक्ष एवं संयोजक भीखमचन्द नखत ने अहिंसा प्रशिक्षण के कार्यों को जानकारी देते हुए बताया कि ध्यान, योग, आसन प्राणायाम के साथ दस विद्यालयों में अहिंसा प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें रोजगार प्रशिक्षण, अहिंसा जीवन शैली जीने का प्रशिक्षण के साथ वैकल्पिक चिकित्सा, मुद्राओं द्वारा एक्युप्रेशन करवाया जाता है।

देशभर से आए प्राशिक्षकों ने अपने-अपने अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रतिदिन किये जाने वाले कार्यों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डॉ. हीरालाल श्रीमालो, शैलेष कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे।

शीतल बरड़िया

मीडिया संयोजक